

と	い	う	気	持	ち	は	あ	る	の	に	、	あ	と	一	歩	の	勇	気	が	か	び	上	が	っ	て	き	て	し	ま	っ	た	の	で	す	。	助	け	た	い	ら	れ	た	ら	怖	い	な	し	と	不	安	な	気	持	ち	が	次	々	に	浮	ら	ど	う	し	よ	う	し	余	計	な	お	世	話	だ	ら	と	怒	鳴	っ	も	し	英	語	で	話	し	か	け	り	れ	て	通	い	な	か	っ	た	な	か	な	か	勇	気	が	出	ま	せ	ん	ご	し	た	。	頭	の	中	で	、	ま	し	た	。	で	も	、	い	ざ	話	し	か	け	よ	う	と	思	っ	た	ら	、	丈	夫	か	な	し	助	け	た	ほ	う	が	い	い	か	な	し	と	思	い	い	る	様	子	で	し	た	。	私	は	そ	の	様	子	を	見	て	、	一	大	眺	め	た	り	し	て	い	ま	し	た	。	誰	が	見	て	も	、	困	っ	て	げ	た	り	、	手	元	の	ス	マ	ー	ト	フ	ォ	ン	を	不	安	そ	う	に	え	な	が	り	、	切	符	売	り	場	の	路	線	図	を	何	度	も	見	上	そ	の	海	外	の	人	は	、	大	き	な	ス	ー	ツ	ケ	ー	ス	を	抱	人	の	姿	を	見	か	け	ま	し	た	。	ぎ	や	か	な	駅	の	片	隅	で	、	私	は	あ	る	一	人	の	海	外	の	多	く	の	人	々	で	行	き	交	っ	て	い	ま	し	た	。	そ	ん	な	に	ま	し	た	。	自	動	券	売	機	や	改	札	口	は	、	い	っ	も	通	り	こ	の	前	、	私	は	電	車	に	乗	る	た	め	に	、	駅	に	行	き	北	の	杜	学	園	八	年	木	村	楓	花	心	を	つ	な	ぐ	思	い	や	り	の	バ	ト	ン
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

出ませんでした。そのときです。近くを通りかかった大人が困っている海外の人を見かけ、迷わず「大丈夫、夫ですか」と笑顔で声をかけました。海外の人は声をかけた瞬間ぱっと表情が明るくなり、なにかを話していました。日本語が苦手な様子でなかなか大人の人に通じていませんでした。た。けれど、大人の人は慌てずに手振りや翻訳機などを使って一生懸命会話をしていました。た。私はその様子を遠くから見ている。いました。二人が言葉の壁を乗り越えて、最後にはお互いに笑顔で「ありがと」と頭を下げ合った。いる姿を見て、私の心はなんだかとても温かくなりまりました。それと同時に私は大切なことになり、気づきました。それは「言葉が完璧に通じなくても、相手を助けた」という気持ちさえあれば、それは必ず相手に伝わる」ということなのです。私は、英語が話せないことを言い訳に、自分の心にぶしーキをかけていた。ところが少し恥ずかしくなり、泣きました。

私は「社会を明るく運動」という言葉を聞いたとき、よく意味もわからず、自分には関係ないものだと思っていました。しかし、駅での出来事を通して、考え方は変わりました。社会を明るくするというのは、決して特別なことをしたり、大きな事件を解決したりするものではありません。言葉や文化、国籍がちがっても、目の前で困っている人かいたらず手を差し伸べる、そんな一人一人の小さな思いやりが、つながっていくことだと考えます。

これから日本には、観光や勉強などのために、もつとたくさんの方々がやってくると思います。慣れない場所で、不安や戸惑いを感じる瞬間もきっと多いはず。そんなとき、私たち日本人が温かい声をかけること、かできれば、その人にとって日本は「優しく、安心してできる素晴らしい国」になるでしょう。そうすれば偏見などかなくなり、犯罪のない明るい社会を作る第一歩になるはずです。

あの時、私は勇気が出ませんでした。

でも、あの時駅で見せてもらった「思いやり
のバトン」を、今度は私が次の人にわたせる
ようになりたいです。